Better Education, Bright Future
GOLDEN FUTURE SERIES

वृंदा

हिंदी पाठ्यपुस्तक

भाग
7

लेखिकाद्वय
बाला रानी
प्रीति सिंघल

प्रकाशक :

नमन पब्लिशिंग (इंडिया) प्रा० लि०

7/209, तुलसी चबूतरा, ताजगंज, आगरा।
मोबाइल : 9837004559, 9927094441
टेलीफैक्स : 0562-2481926
ई-मेल : namanpublishing@yahoo.com

लेखिकाएँ :
बाला रानी
प्रीति सिंघल

संपादकगण :
अजय श्रीवास्तव
दीपांकर भार्गव

शब्द-संयोजन, कला एवं चित्रांकन :
Kartik computers

मुद्रक :

वैधानिक चेतावनी :

- प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी-मशीनी फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य किसी विधि से पुन: प्रयोग द्वारा इसका संग्रहण अथवा प्रसारण पूर्णतया वर्जित है।
- यद्‌यपि इस पुस्तक को शुद्‌ध एवं त्रुटिरहित प्रस्तुत करने का यथासंभव प्रयास किया गया है, तथापि इसमें अनपेक्षित कमी, त्रुटि, अभाव अथवा तद्‌जनित्त क्षति या हानि के लिए लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई भी उत्तरदायित्व न होगा।
- पुस्तक में रह गई तथ्यात्मक त्रुटियों या अन्य किसी भी कमी के लिए विद्‌वत्तजनों के विचार और सुझाव सादर आमंत्रित हैं। त्रुटियों का परिमार्जन एवं प्राप्त विचारों और सुझावों का समायोजन आगामी संस्करण में कर दिया जाएगा।
- पुस्तक की जिल्दसाजी होने में गलतियाँ या कुछ पृष्ठों की गलत छपाई या कुछ पृष्ठों के न होने की दशा में प्रकाशक का उत्तरदायित्व केवल इतना है कि पुस्तक को खरीदने की तिथि से एक माह के अंदर इसी संस्करण की अन्य पुस्तक से खरीदी गई पुस्तक को बदल दिया जाएगा। इस संदर्भ में किए गए सभी खर्चों को ख़रीदार वहन करेगा।
- पुस्तक संबंधी सभी विवाद केवल **आगरा न्यायालय** के अधिकार क्षेत्र में विचाराधीन होंगे।

—प्रकाशक

प्राक्कथन

प्रिय पाठक वृंद,

नई पीढ़ी के नन्हें, चंचल और जिज्ञासु बच्चों को हिंदी सिखाने के लिए '**वृंदा**' हिंदी की यह शृंखला प्रस्तुत करते हुए हमारे मन में अपार हर्ष और रोमांच है। इस शृंखला को तैयार करते समय नन्हें और नटखट बच्चों के खुशनुमा चेहरे बार-बार हमारी स्मृतियों में दस्तक दे रहे हैं और उनके लिए तैयार किए गए पाठों में रस और आनंद निरंतर बढ़ता ही गया।

प्रस्तुत हिंदी पाठमाला कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के लिए तैयार की गई है। इस शृंखला की प्रत्येक पुस्तक में कविता, कहानी, आत्मकथा, रेखाचित्र, एकांकी, संस्मरण, साक्षात्कार, महापुरुषों की जीवनी, निबंध, भक्ति-पद, काल्पनिक कहानी जैसी अनेक विधाओं को सम्मिलित किया गया है। इनके अतिरिक्त बच्चों की जानकारी में वृद्धि हो, इसे ध्यान में रखते हुए केवल पढ़ने के लिए भी कुछ पाठ शामिल किए गए हैं। इन सभी विधाओं के रचनाकार श्रेष्ठ साहित्यकार हैं। हमारा प्रमुख उद्देश्य बच्चों को हिंदी के उच्चकोटि के साहित्य और साहित्यकारों से परिचित कराना है।

पाठों का चयन जितना महत्त्वपूर्ण होता है, उसका अभ्यास-कार्य भी उतना ही महत्त्वपूर्ण होता है। पाठ के अंत में अभ्यास-प्रश्न के अंतर्गत बहुविकल्पीय प्रश्न, मौखिक और लिखित प्रश्नों का अभ्यास, भाषा के अंतर्गत व्यावहारिक व्याकरण का समावेश किया गया है। रचनात्मक गतिविधियाँ के अंतर्गत ऐसे सुझावों को सम्मिलित किया गया है जो बच्चों की कल्पनाशीलता, वैचारिक सामर्थ्य व सृजनात्मकता को पोषित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अंत में इस पाठमाला में जिन सुप्रसिद्ध साहित्यकारों की रचनाएँ शामिल की गईं हैं, हम उनके प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

अनुभवी सुधीजनों एवं विद्वत्तजनों से हमारा अनुरोध है कि समय-समय पर अपने अमूल्य सुझावों से हमें अवगत कराते रहें ताकि आगामी संस्करण में अधिकाधिक निखार लाया जा सके।

—लेखिकाएँ एवं प्रकाशक

विषय सूची

1.	स्वच्छंद प्यार	5
2.	गाय की चोरी	9
3.	अटूट आत्मविश्वास	15
4.	पर्यावरण-सुरक्षा	21
5.	सुभागी	25
✣	ग्लोबल वार्मिंग (केवल पढ़ने के लिए)	35
6.	ऐसे थे प्रेमचंद	37
7.	किरणों का खेल	46
8.	हींगवाला	49
✡	अर्धवार्षिक परीक्षा प्रश्न-पत्र	56
9.	महिलाओं का अपना बैंक	58
10.	सूर के पद	64
✣	आत्मनिर्भरता (केवल पढ़ने के लिए)	68
11.	रिश्वत फंड	69
12.	देवभूमि कुल्लू	76
13.	तूफ़ानों की ओर	83
14.	भारतीय सनसनी : सानिया-सायना	86
15.	अध्यापक के नाम पत्र	91
✣	कुंजरानी : सोने की रानी (केवल पढ़ने के लिए)	95
16.	जैसी तासीर, वैसी खुराक	97
✣	भई, भाषण दो! (केवल पढ़ने के लिए)	102
✡	वार्षिक परीक्षा प्रश्न-पत्र	103